# ट्रंप के खिलाफ लाखों लोग सड़क पर

**2700 शहरों और कस्बों में राष्ट्रव्यापी नो किंग्स हुए विरोध प्रदर्शन**

**न्यूयॉर्क/सैन फ्रांसिस्को, 19 अक्टूबर. अमेरिका में शनिवार को 2,700 शहरों और कस्बों में लाखों लोग राष्ट्रव्यापी नो किंग्स विरोध प्रदर्शनों में सड़कों पर उतर आये. यह अमेरिकी इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा एकदिवसीय विरोध प्रदर्शन था.**

उल्लेखनीय है कि नो किंग्स आंदोलन का यह दूसरा प्रदर्शन था. इससे पहले इसी साल 14 जून को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्म दिन पर पहले प्रदर्शन का आयोजन हुआ था, जिसमें पचासों राज्यों से हजारों लोगों ने भाग लिया था. प्रदर्शनकारी ट्रंप के तानाशाही रवैये के खिलाफ सड़कों पर उतर आए. उनका कहना है कि ट्रंप एक लोकतंत्र में राजा की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जो असंवैधानिक है.

> न्यूयॉर्क शहर में 1,00,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारी टाइम्स स्क्वायर पर जमा हुए थे, जिनके हाथों में नफरत अमेरिका को महान नहीं बनाएगी, अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) को न्यूयॉर्क शहर से बाहर करो, हमारे संविधान की रक्षा करो, लोकतंत्र, राजतंत्र नहीं और संविधान वैकल्पिक नहीं है जैसे पोस्टर थे. एक प्रदर्शनकारी टोनी चार्ली ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवास एक परंपरा है और प्रवासी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं.

## इटली में फंसे भारतीयों को लाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था

**नई दिल्ली, 19 सितंबर.** एयर इंडिया ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण 17 अक्टूबर को इटली के मिलान से दिल्ली आने वाले विमान के रद्द होने के कारण वहाँ फंसे लोगों को दिल्ली लाने के लिए कंपनी 19 अक्टूबर को एक अन्य विमान संचालित करेगी. उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया ने एक बयान जारी कर बताया था कि तकनीकी समस्या के कारण 17 अक्टूबर को मिलान से दिल्ली आने वाले उड़ान संख्या एआई138 को रद्द कर दिया गया था. कंपनी ने बताया कि यात्रियों के ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था कर दी गयी थी.

## पेरिस के म्यूजियम से ऐतिहासिक और बहुमूल्य गहनों की हुई चोरी

**पेरिस, 19 अक्टूबर. फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित लूव्र म्यूजियम से रविवार की सुबह ऐतिहासिक और बहुमूल्य गहनों की चोरी हो गयी.**

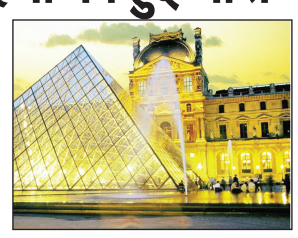

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक तीन चार नकाबपोश निर्माणाधीन क्षेत्र से एक मालवाहक लिफ्ट के सहारे, म्यूजियम का शीशा तो? कर, उस कमरे में घूस गए जहाँ नेपोलियन और महारानी से संबंधित संग्रह रखे हुए थे. उस संग्रह से वे नौ गहने चूरा ले गए. रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 9:30 से 9:40 के बीच चोर कथित तौर पर स्कूटर पर आए और केवल सात मिनट में दिनदहाड़े इस डकैती को अंजाम देकर चले गए. फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने कहा कि नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है.

पुलिस ने बताया कि लूटेरों से संबंधित एक स्कूटर बरामद हुआ है और आगे की जांच चल रही है. फ्रांस की संस्कृति मंत्री रचिदा दाती ने एक्स पर लिखे एक पोस्ट में सूचना दी कि रविवार को संग्रहालय बंद रहेगा, क्योंकि यहां सुबह चोरी हुयी है.

## अमेरिका ने टाइम सिस्टम को किया टारगेट

▶ नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी पर साइबर अटैक का आरोप

**बीजिंग, 19 अक्टूबर. चीन ने रविवार को एक बड़ा खुलासा करते हुए अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी पर साइबर अटैक का आरोप लगाया है.**

चीन की स्टेट सिक्योरिटी मिनिस्ट्री के मुताबिक, अमेरिका ने 2022 से लेकर 2024 तक चीन के नेशनल टाइम सर्विस सेंटर को बार-बार निशाना बनाया. एक वीचैट पोस्ट में दावा किया कि ने सेंटर के कर्मचारियों के डिवाइसेज़ से संवेदनशील डेटा चुराने के लिए एक विदेशी मोबाइल ब्रांड की मैसेजिंग सर्विस की कमजोरी का इस्तेमाल किया. हालांकि, उस ब्रांड का नाम उजागर नहीं किया गया.

चीन के अनुसार, ये साइबर हमले केवल डेटा चोरी तक सीमित नहीं थे. 2023-24 के बीच ह्न ने 42 तरह के स्पेशल साइबर अटैक टूल्स का इस्तेमाल कर सेंटर के इंटरनल नेटवर्क सिस्टम्स को भेदने की कोशिश की. इसका मकसद चीन की टाइम सर्विस और उससे जुड़ी रणनीतिक सेवाओं जैसे कम्युनिकेशन, फाइनेंस, एनर्जी और डिफेंस को अस्थिर करना था. मिनिस्ट्री ने दावा किया कि चीन के पास इन हमलों के पुख्ता तकनीकी प्रमाण हैं.

> आरोप है कि अमेरिका उन साइबर गतिविधियों के लिए दूसरों को दोषी ठहराता है जो वह खुद करता है. चीन ने वेस्टर्न गवर्नमेंट्स द्वारा लगाए गए चीनी हैकर्स पर आरोपों को भी दोहरे मापदंड बताया. चीन का यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और चीन के बीच पहले से ही ट्रेड, टेक्नोलॉजी, ताइवान और जियोपॉलिटिक्स को लेकर संबंध बेहद संवेदनशील स्थिति में हैं. हालांकि, इस मामले पर अभी तक अमेरिकी एम्बेसी या ह्न की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है. जैसे-जैसे तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है.

## मिलान से दिल्ली नहीं आ सकी फ्लाइट, अब नई उड़ान तैयार

**नई दिल्ली, 19 अक्टूबर. एयर इंडिया ने इटली के मिलान में फंसे 256 भारतीय यात्रियों को दिल्ली लाने के लिए वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की है.**

दरअसल, 17 अक्टूबर को मिलान से दिल्ली आने वाली उड़ान संख्या 38 को तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दिया गया था, जिससे यात्रियों को दिवाली से पहले भारत लौटने में परेशानी हुई. कंपनी ने इस स्थिति पर खेद जताते हुए कहा कि सभी यात्रियों के लिए होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई थी. हालांकि एयर इंडिया ने यह भी स्वीकार किया कि संसाधनों की सीमा के कारण कुछ यात्रियों को एयरपोर्ट से दूर होटल में ठहराया गया. 17 अक्टूबर की रद्द उड़ान में 256 यात्री और 10 चालक दल के सदस्य सवार होने वाले थे. यात्रियों की बढ़ती चिंता को देखते हुए एयर इंडिया ने 19 अक्टूबर को एक विशेष उड़ान संचालित करने का निर्णय लिया है. यह विमान मिलान से उड़ान भरेगा और 20 अक्टूबर की सुबह दिल्ली पहुंचेगा. एयर इंडिया ने एक आधिकारिक बयान में कहा- हम अपने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोपरि मानते हैं. कठिन परिस्थितियों में भी हम उन्हें हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं. एयर इंडिया का यह कदम ऐसे समय पर आया है जब दिवाली के त्योहार के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि हो रही है.

## सरकार हरसंभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध

**गृहमंत्री अमित शाह ने 1950 करोड़ की सहायता मंजूर की**

**नई दिल्ली, 19 अक्टूबर. भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित राज्यों की मदद के लिए केंद्र सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है.**

गृह मंत्रालय ने रविवार को जानकारी दी कि वर्ष 2025-26 के लिए राज्य आपदा राहत कोष के अंतर्गत कर्नाटक और महाराष्ट्र को 1,950.80 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त के रूप में अग्रिम सहायता जारी की गई है. दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित कर्नाटक और महाराष्ट्र को केंद्र सरकार ने बड़ी राहत दी है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों राज्यों के लिए 1,950.80 करोड़ रुपये की अग्रिम सहायता जारी करने की मंजूरी दी है. इसमें से कर्नाटक को 384.40 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र को 1,566.40 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है. इन राज्यों में मानसून के दौरान अत्यधिक वर्षा और बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई थी, जिससे जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ. गृह मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार संकट की इस घड़ी में राज्यों को हरसंभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है.

> इस साल अब तक के तहत 27 राज्यों को 13,603.20 करोड़ रुपये, जबकि राष्ट्रीय आपदा राहत कोष के तहत 15 राज्यों को 2,189.28 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है. इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष से 21 राज्यों को 4,571.30 करोड़ और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष से 9 राज्यों को 372.09 करोड़ रुपये भी जारी किए हैं. गृह मंत्रालय ने बताया कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए इस वर्ष देशभर में एनडीआरएफ की रिकॉर्ड 199 टीमें तैनात की गईं. सेना और वायुसेना को भी जरूरत के अनुसार बुलाया गया, ताकि बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी आपदाओं से प्रभावित लोगों को समय पर सहायता मिल सके. इस कदम से जहां प्रभावित राज्यों को राहत मिलेगी.

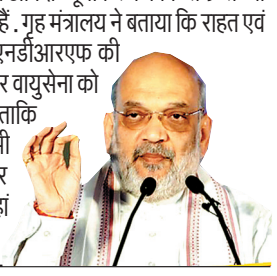

### एक नजर में

## दक्षिण अरब सागर में चक्रवाती तूफान की आशंका

**चेन्नई, 19 अक्टूबर.** तमिलनाडु में मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि दक्षिण अरब सागर में बने निम्न दबाव क्षेत्र के अगले कुछ दिनों में चक्रवाती तूफान में बदलने से राज्य में भारी बारिश होने की संभावना है. इस चक्रवात तूफान की संभावना के मद्देनजर भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने समुद्र में एक जहाज तैनात किया है. इसे समुद्री क्षेत्र में गश्त लगाने का काम सौंपा गया है. रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चक्रवात अलर्ट. दक्षिण-पूर्व अरब सागर में निम्न दबाव क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है. इसमें आगे कहा गया, भारतीय तटरक्षक बल का जहाज अभिराज तटीय जल में गश्त कर रहा है और उसने नाविकों और समुद्र में मौजूद मछुआरों को मौसम की चेतावनी दी है और मछुआरों से बंदरगाह पर लौटने का आग्रह किया.

## पाकिस्तान में बाढ़ से हुआ नुकसान

**इस्लामाबाद, 19 अक्टूबर.** पाकिस्तान में हाल में आयी बाढ़ के कारण लगभग 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है. पाकिस्तान के योजना, विकास और विशेष पहल मंत्री अहसान इकबाल ने बाढ़ से हुये नुकसान की प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट जारी करते हुये कहा कि इस बाढ़ के कारण देश में व्यापक नुकसान हुआ है. इससे हुये नुकसान का पता लगाने के लिए विस्तृत आकलन किया जा रहा है. श्री इकबाल ने कहा कि अभी लगभग 822 अरब रुपये नुकसान का अनुमान है. इसमें कृषि क्षेत्र में लगभग 430 अरब रुपये और बुनियादी ढाँचे में 307 अरब रुपये का नुकसान हुआ है. उन्होंने बताया कि बाढ़ से देश भर में लगभग 2,29,000 घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं. मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार, कुल नुकसान से जुलाई 2025 से जून 2026 तक पाकिस्तान की जीडीपी वृद्धि दर में 0.3 से 0.7 प्रतिशत अंकों की कमी आने की उम्मीद है.

## ईरान ने प्रतिबंधों को अमान्य घोषित किया

**तेहरान, 19 अक्टूबर.** ईरान ने शनिवार को कहा कि वह अब 2015 के संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के प्रतिबंधों से बंधा नहीं है, यह समझौता समाप्त हो चुका है, लेकिन उसने कूटनीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई. पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा प्रस्तावित जेसीपीओए पर जुलाई 2015 में वियना में ईरान, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस और अमेरिका ने हस्ताक्षर किए थे.

## सेनाएं अब आतंकवाद पर वार को तैयार

**भारत और ऑस्ट्रेलिया संयुक्त अभ्यास से जोश**

**ऑस्ट्रेलिया 19 अक्टूबर. आतंकवाद, उग्रवाद और प्राकृतिक आपदाओं जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया की सेनाएं एकजुट हो चुकी हैं.**

ऑस्ट्रेलिया की धरती पर चल रहा 'ऑस्ट्राहिंद-2025' अभ्यास न सिर्फ सामरिक दृष्टिकोण से अहम है, बल्कि दोनों देशों की रक्षा साझेदारी को भी नई मजबूती दे रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की सेनाओं के बीच चल रहा संयुक्त सैन्य अभ्यास 'ऑस्ट्राहिंद-2025' इन दिनों पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ जारी है.

आतंकवाद-रोधी अभियानों, उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में संचालन और आपदा राहत अभियानों पर केंद्रित यह अभ्यास दोनों देशों के रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अभ्यास का यह चौथा संस्करण है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2022 में हुई थी. 'ऑस्ट्राहिंद' अब एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा मंच बन चुका है.

> इस वर्ष का अभ्यास खासतौर पर शहरी, अर्ध-शहरी और खुले रेगिस्तानी क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहा है, जहां सैनिकों को वास्तविक युद्ध स्थितियों में काम करने के लिए तैयार किया जा रहा है. भारतीय सेना की ओर से 120 अधिकारियों और जवानों की एक टुकड़ी इस अभ्यास में भाग ले रही है, जिसका नेतृत्व गोरखा राइफल्स की एक प्रतिष्ठित बटालियन कर रही है. भारतीय टुकड़ी में विभिन्न रेजिमेंटों से चयनित सैनिक शामिल हैं. ये सैनिक फील्ड प्रशिक्षण, लाइव फायरिंग, सामरिक युद्ध अभ्यास और विशेष हथियार संचालन में भाग ले रहे हैं.

## प्रतिदिन एक फीसदी के रिटर्न के झांसे में छह करोड़ की ठगी

**जशपुर, 19 अक्टूबर. छत्तीसगढ़ के जशपुर पुलिस ने शेयर बाजार और कृषि व्यवसाय के नाम पर चलाए गए एक बड़े निवेश घोटाले का पर्दाफाश किया है.**

अब तक छह करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का खुलासा हुआ है. इस मामले में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि आरोपियों ने सी बुल्स ग्लोबल सॉल्यूशन नामक एक फर्जी कंपनी बनाकर निवेशकों को प्रतिदिन एक प्रतिशत ब्याज का लालच लंबे समय तक दिया था. इस ठगी के शिकार जशपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, अंबिकापुर, बिलासपुर और शक्ति जिलों के निवासी बने. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मुख्य रूप से ठगी के शिकार हुए लोगों में जागेश्वर लाल यादव (1.80 करोड़), लक्ष्मण केशवानी (95 लाख), भूषण पटेल (33 लाख), डॉक्टर पीताम्बर साय निराला (25 लाख), राजेश देवांगन (15 लाख) और कमलेश यादव (10 लाख) शामिल हैं.

एसडीओपी पत्थलगांव धुर्वेश जायसवाल के नेतृत्व में चल रही जांच से पता चला है कि आरोपियों हरिशरण देवांगन (जिला शक्ति) और संतोष कुमार साहू (जांजगीर-चांपा) ने कई जिलों में बैठकें आयोजित करके लोगों को फंसाया.

### आज का इतिहास

1568 मुगल सम्राट अकबर ने चित्तौड़गढ़ पर हमला किया।
1740 मारिया थेरेसा ऑस्ट्रिया, बोहेमिया के शासक बने।
1774 कोलकाता भारत की राजधानी बना।
1880 एम्सटर्डम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।
1904 बोलीविया ने शांति व मित्रता की संधि पर हस्ताक्षर किया
1905 रूस में 11 दिन तक चली हड़ताल की शुरुआत हुई।
1921 फ्रांस और तुर्की के बीच अंकारा संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
1946 वियतनाम की डेमोक्रेटिक रिपब्लिकन सरकार ने इस दिन को महिला दिवस के रूप में घोषित किया।

## इजरायल को गाजा से दो बंधकों के शव मिले

**यरूशलम, 19 अक्टूबर. इजरायल को गाजा से दो शव मिले हैं, जिनके बारे में हमास का कहना है कि वे बंधक हैं.**

यह जानकारी इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी है. बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार रेडक्रॉस के माध्यम से इज़रायीली बलों को सौंपे गए ये शव इजरायल लाए गये हैं और उनकी औपचारिक पहचान की जाएगी. हमास ने पहले कहा था कि शनिवार को फिलिस्तीनी क्षेत्र में शव बरामद किए गए थे. गौरतलब है कि शनिवार से पहले 28 मृत बंधकों में से 10 के अवशेष इजरायल को लौटा दिए गए थे. इस देरी से इजरायल में आक्रोश फैल गया है, क्योंकि पिछले हफ्ते हुए युद्धविराम समझौते की शर्तों के तहत गाजा से सभी जीवित और मृत बंधकों की रिहाई की बात कही गई थी. हमास का कहना है कि उसे मलबे के नीचे बचे हुए शवों को खोजने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा और मिस्र के बीच राफा सीमा को अगली सूचना तक बंद रखने का आदेश दिया है और कहा है कि अंतिम बंधक अवशेषों की वापसी और युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन के आधार पर इसे फिर से खोलने पर विचार करेंगे. राफा क्रॉसिंग उन फिलिस्तीनियों के लिए महत्वपूर्ण है.

## संसद के पास आग से खुली सुरक्षा की पोल

▶ अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की व्यवस्था को दया योग्य बताया

**नई दिल्ली. 19 अक्टूबर. राजधानी दिल्ली में संसद से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित 'ब्रहमपुत्र भवन' में लगी आग ने न केवल सुरक्षा इंतजामों की पोल खोल दी, बल्कि सरकारी लापरवाही की हद भी दिखा दी.**

सांसद साकेत गोखले ने इस लापरवाही पर कड़ा हमला करते हुए सोशल मीडिया पर विस्तृत पोस्ट साझा की, जिसे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रीट्वीट करते हुए दिल्ली की व्यवस्था को दया योग्य बताया. दमकल की देरी, जलहीन फायर सिस्टम और बिना

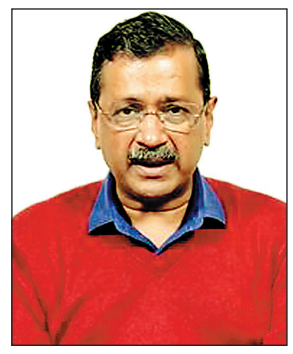

प्राथमिक उपचार के एम्बुलेंस... सबने मिलकर राजधानी की तथाकथित स्मार्ट व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए हैं. राजधानी दिल्ली के वीआईपी इलाके में स्थित 'ब्रहमपुत्र भवन' में कल भयानक आग लग गई, जिससे सांसदों और उनके स्टाफ के घरों में भारी नुकसान हुआ.

> इसके बावजूद दमकल और आपात सेवाओं की स्थिति इतनी लचर थी कि मदद आने में 25 मिनट लग गए. साकेत गोखले के मुताबिक, भवन में आग लगते ही कर्मचारियों ने नजदीकी तीन दमकल स्टेशनों पर कॉल की, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया. उन्होंने स्वयं 1:22 बजे दमकल विभाग को कॉल किया, लेकिन पहली गाड़ी 25 मिनट बाद पहुंची. वहीं, फायर अलार्म काम नहीं कर रहा था और फायर सिस्टम में पानी नहीं था. आग की चपेट में आकर कर्मचारियों के 8 घर पूरी तरह जल गए. वे अपना सब कुछ खो चुके हैं.

## घोटालों में शामिल लोगों को हथकड़ी लगाकर वापस भेजा

**सोल.** ऑनलाइन घोटालों में कथित संलिप्तता को लेकर कंबोडिया में हिरासत में लिए गए दक्षिण कोरिया के 59 नागरिकों के को हथकड़ी लगाकर स्वदेश भेज दिया गया है. रिपोर्ट के अनुसार यह समूह शनिवार सुबह इंचियोन हवाई अड्डे पर पहुँचा, इससे कई दिन पहले दक्षिण कोरिया ने अपने नागरिकों के हिरासत में लिये जाने के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एक टीम कंबोडिया भेजी थी.रिपोर्ट के अनुसार द. कोरिया वापस भेज गये लोग उन लगभग 200,000 लोगों में शामिल हैं जिनके बारे में संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया है कि वे दक्षिण पूर्व एशिया में धोखाधड़ी की योजनाओं में फंस गए हैं.

**मामला उजागर** 676 फर्जी फैकल्टी का खुलासा, 22 कॉलेजों में था एक ही शिक्षक

## अन्ना यूनिवर्सिटी में घोटाला, रजिस्ट्रार-डायरेक्टर को हटाया

**चेन्नई, 19 अक्टूबर. तमिलनाडु के प्रमुख तकनीकी शिक्षा संस्थान अन्ना विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों में घोस्ट फैकल्टी का मामला सामने आया है.**

परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय के सिंडिकेट ने रजिस्ट्रार, संबद्धता निदेशक और अन्य अधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया है. यह कार्रवाई उनके खिलाफ सतर्कता (विजिलेंस) मामले के बाद की गई है. पिछले साल अगस्त में विश्वविद्यालय की विस्तृत जांच ने इस घोटाले का पर्दाफाश किया, जिसमें पता चला कि 676

शिक्षक एक ही समय में कई इंजीनियरिंग कॉलेजों में पूर्णकालिक संकाय सदस्य के रूप में काम कर रहे थे. यह खुलासा 52,000 शिक्षकों के डेटाबेस के विश्लेषण के बाद हुआ. जहां एक व्यक्ति 22 कॉलेजों में काम कर रहा था, वहीं 20 अन्य 10 संस्थानों की पेरोल पर थे. सभी घोस्ट फैकल्टी को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है.

भ्रष्टाचार विरोधी एनजीओ अरप्पोर इयक्कम ने जुलाई में यह घोटाला उजागर किया था, जिसमें बताया गया कि 2023-24 में 353 शिक्षक कई इंजीनियरिंग कॉलेजों में काम कर रहे थे और कार्रवाई की मांग की गई थी. तकनीकी शिक्षा निदेशालय के आयुक्त टी. अब्राहम की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय पैनल ने पाया कि संबद्ध कॉलेजों ने 2023-24 में लगभग 2000 संकाय पदों को फर्जी नियुक्तियों के साथ भरा था.

> हालांकि 200 से अधिक कॉलेज इस रैकेट में शामिल पाए गए, सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने केवल उप-कुलपति आर. वेलराज, रजिस्ट्रार जे. प्रकाश, संबद्धता निदेशक वी.आर. गिरी देव और आठ अन्य लोगों के खिलाफ घोस्ट फैकल्टी घोटाले के संबंध में मामला दर्ज किया है. जबकि राज्य सरकार ने श्री वेलराज को उनके सेवानिवृत्ति के दिन यानी मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर के रूप में सेवा समाप्त होने पर निलंबित कर दिया था. लेकिन राज्यपाल आर.एन. रवि जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, ने इसे रद्द कर दिया और उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने से इनकार कर दिया. शनिवार को विश्वविद्यालय के सिंडिकेट ने जो राज्यपाल द्वारा श्री वेलराज के निलंबन को रद्द करने और अभियोजन की अनुमति न देने के बाद आगे की कार्रवाई पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था. डीवीएसी द्वारा नामित सभी अधिकारियों को सभी जिम्मेदारियों से मुक्त करने का निर्णय लिया. विश्वविद्यालय के सूत्रों ने कहा, सिंडिकेट ने डीवीएसी द्वारा मामले में नामित सभी अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त करने का फैसला किया है.

## तुर्की में पुलिस के जांच में 1.3 टन गांजा जब्त

**इस्तांबुल, 19 अक्टूबर.** तुर्की की पुलिस ने मरमारा सागर के टेकिरदाग सीमा शुल्क क्षेत्र और एडिरने प्रांत में यूनान के साथ लगी इप्साला सीमा द्वार पर कार्रवाइयों में 1.3 टन गांजा ज़ब्त किया. बयान के मुताबिक टेकिरदाग व इप्साला निदेशालयों की सीमा शुल्क प्रवर्तन और खुफिया टीमों ने सीमा शुल्क चौकियों के माध्यम से तुर्की में प्रवेश करने वाले संदिग्ध वाहनों की जांच अभियान छेड़ा था. इसी दौरान टेकिरदाग सीमा शुल्क क्षेत्र में 1.153 टन और इप्साला सीमा द्वार पर 173 किलोग्राम बरामद किया गया. अधिकारियों ने कहा कि जब्त गांजे का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 809 मिलियन तुर्की लीरा (लगभग 193 लाख अमेरिकी डॉलर) है.

## स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने नियुक्त किए पर्यवेक्षक

**नई दिल्ली, 19 अक्टूबर. भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बिहार विधानसभा चुनाव और देश के आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में हो रहे उपचुनावों के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है.**

आयोग का कहना है कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना है, ताकि सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को समान अवसर मिल सके. संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए आयोग ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों की तैनाती की है. बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 121 सामान्य पर्यवेक्षक और 18 पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं, जबकि दूसरे चरण में 122 सामान्य और 20 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं. इसके अलावा, आठ विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उपचुनावों के लिए आठ सामान्य और आठ पुलिस पर्यवेक्षक भेजे गए हैं. सभी पर्यवेक्षकों ने अपने-अपने क्षेत्रों का पहला दौरा पूरा कर लिया है और अब वे संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थायी रूप से तैनात हैं. चुनाव आयोग ने उन्हें निर्देश दिया है कि वे पूरी चुनावी प्रक्रिया पर बारीकी से निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें.